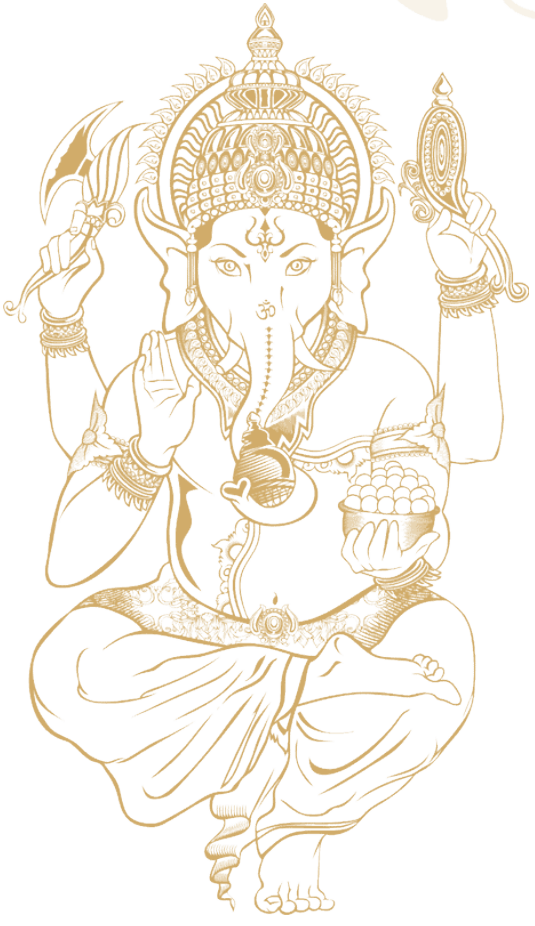

Mr shiv kumar

Shiwalika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120412612

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	08/09/1996
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	15:23:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	24:13:24 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Gorakhpur
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	05:39:04
18:11:09	सूर्यास्त	18:08:37
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:42

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मक	02:27:35	गुरु 1वर्ष 3मा 26दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	सिंह	22:12:25	बुध
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	कर्क	02:13:54	04/01/2017
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	कर्क	05:17:40	04/01/2034
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध व	कन्या	08:46:20	बुध 02/06/2019
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	धनु	14:02:41	केतु 30/05/2020
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	कर्क	07:28:02	शुक्र 30/03/2023
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि व	मीन	11:32:47	सूर्य 04/02/2024
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	कन्या	14:23:20	चन्द्र 05/07/2025
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	मीन	14:23:20	मंगल 03/07/2026
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष व	मक	07:13:51	राहु 19/01/2029
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप व	मक	01:22:36	गुरु 27/04/2031
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	06:45:17	शनि 04/01/2034

लग्न-चलित

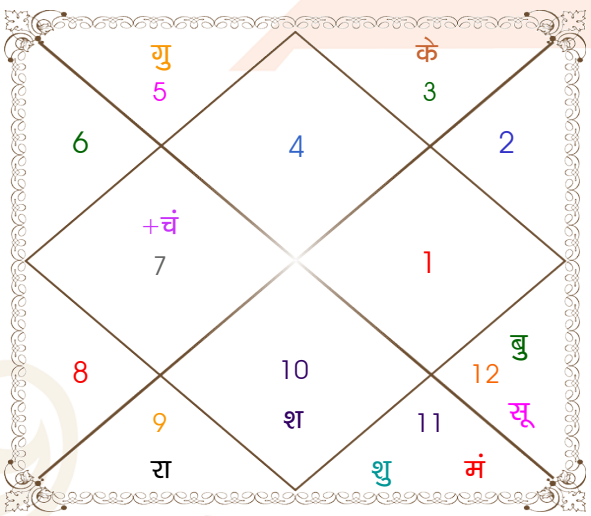

लग्न-चलित

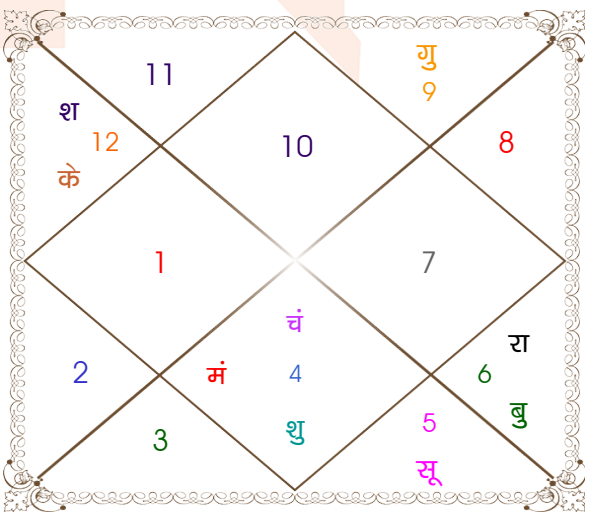

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

Mr shiv kumar का वर्ग सर्प है तथा Shiwalika का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr shiv kumar और Shiwalika का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr shiv kumar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr shiv kumar कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shiwalika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shiwalika कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Shiwalika कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Shiwalika कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shiwalika कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr shiv kumar कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr shiv kumar कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr shiv kumar तथा Shiwalika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।